# नई पुस्तकें

## काशी मरणान्मुक्ति (उपन्यास)



रचनाकार: मनोज ठक्कर एवं रश्मि छाजेड़

पृ.सं.–510 मू.–360/–रु. प्रकाशन वर्ष–2011

**विशेष:** अध्यात्म एवं दर्शन पर आधारित श्री मनोज व सुश्री रश्मि द्वारा रचित उपर्युक्त उपन्यास अनेक विशेषताओं से युक्त है। सुंदर आवरण और उत्कृष्ट मुद्रण तो है ही यह अपनी नवीन विषय वस्तु के कारण अपने तरह का बेजोड़ उपन्यास भी है। यह एक दार्शनिक उपन्यास है जो एक चांडाल के जीवन पर आधारित है। वह सदगुरू की खोज करते हुए अध्यात्म के चरम को पा पशु से पशुपति अर्थात शिव हो जाता है। प्रस्तुत उपन्यास में काशी के उस रूप की व्याख्या है जो अन्यत्र मिलना मुश्किल है। रहस्य और रोमांच से भरी यह यात्रा पाठकों को हिला कर रख देती है।❑

**रचनाकार/प्रकाशक का पता:** शिव ॐ साई प्रकाशन, 95/3, वल्लभ नगर, इन्दौर–452003, म.प्र. 9165823060 ☎ 0731–4225754, 2530217

## गीत ग़ज़ल गोदावरी (काव्य संग्रह)

रचनाकार: उर्मिला श्रीवास्तव 'उर्मि'

पृ.सं.–82 मू.–120/–रु. प्रकाशन वर्ष–2012

**विशेष:** 12 अक्तूबर,1947 को उरई में जन्मी एमए, बीएड उत्तीर्ण श्रीमती उर्मिला कई वर्षों से साहित्य साधना में लीन हैं। भोर की ओर के बाद यह आपका दूसरा संग्रह है। विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशन के अलावा आ देश के विभिन्न काव्य मंचों से काव्य पाठ भी करती रही हैं। आपको अनेक सम्मान भी प्राप्त हैं। प्रस्तुत संग्रह में तीन खण्डों में आपकी दर्जनों गीत, कविता एवं गजलें संग्रहीत हैं। इनमें श्रीमती उर्मिला के भ्रष्टाचार, महंगाई, पर्यावरण, देश, समाज, तीज–त्यौहारों आदि पर केंद्रित रचनायें हैं। अनेक रचनाओं में विभिन्न विसंगतियों के प्रति आपकी सजगता व दर्द खुलकर देखने को मिलता है। ❑

**रचनाकार का पता:** 301, ब्लाक नं. 19, स्पार्कल सरजलापुर जंक्शन, सनसिटी,आउटर रिंग रोड, बेंगलुरू–560102, कर्नाटक 9845128819

**प्रकाशक:** सूरज प्रिंटिंग प्रेस (नन्द सिनेमा के पास), सदर, आगरा–282001, उ.प्र.

## थोड़ी देर और ठहर (कहानी संग्रह)



रचनाकार: प्रबोध कुमार गोविल

पृ.सं.–200 मू.–300/–रु. प्रकाशन वर्ष–2012

**विशेष:** 11 जुलाई,1953 को अलीगढ़ में जन्मे इस पुस्तक के लेखक श्री गोविल हिन्दी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर हैं। आप किसी परिचय के मोहताज नहीं। अब–तक आपकी उपन्यास, कहानी, कविता, नाटक, निबंध, बाल साहित्य और संस्मरण की डेढ़ दर्जन के करीब पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। प्रस्तुत संग्रह में आपकी 30 कहानियां संग्रहीत हैं। ये कहानियां हमारे आपके आस–पास के परिवेश से ली गई हैं। ऐसी कहानियां जिन्हें पढ़कर अहसास होता है कि ये कहीं हमारे करीब ही घटित हुई हैं। कहानी के पात्र भी हमारे, आपके घरों से लिये गये ही प्रतीत होते हैं। कहानियां रोचक भी है और मनोरंजक भी साथ ही इनमें कहीं न कहीं कुछ न कुछ संदेश भी छुपा हुआ है। भाषा, शैली सरल व सहज होने के कारण पाठक इन्हें आसानी से आत्मसात कर लेता है। कुल मिलाकर सुंदर गेटअप, मुद्रण के साथ प्रभावशाली कहानियों के चलते यह संग्रह अंत–तक पाठकों को ddde][kucel Qy h[kykZ}Mkgk ❑

**रचनाकार का पता:** बी–301, मंगलम जाग्रति रेजीडेंसी, कृपलानी मार्ग, आदर्शनगर, जयपुर–302004, राजस्थान 9414028938

**प्रकाशक:** दिशा प्रकाशन, 138/16, त्रिनगर, दिल्ली–110035

## चेहरों के आर पार (काव्य संग्रह)



रचनाकार: संतोष सुपेकर

पृ.सं.–122 मू.–180/–रु. प्रकाशन वर्ष–2012

**विशेष:** 29 जून, 1967 को जन्में श्री संतोष रेलवे की जटिल नौकरी के साथ ही लगभग ढाई दशकों से हिन्दी साहित्य की सेवा में लीन हैं। अनेक पुस्तकों के लेखक होने के साथ ही आपको अनेक साहित्यिक सम्मान भी प्राप्त हैं। 57 कविताओं के इस संग्रह में श्री सुपेकर ने मानवीय संवेदनाओं की निर्भीक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की है। अनेक कविताओं में आम आदमी की पीड़ा खुलकर सामने आई है और समाज में व्याप्त विसंगतियों के खिलाफ आपकी कलम खूब चली है।❑

**रचनाकार का पता:** 31–सुदामा नगर, उज्जैन–456001 9424816096

**प्रकाशक:** आकृति ऑफसेट, 5– नई पेठ, उज्जैन, म.प्र. ☎ 0734–2561720

## जय हो भ्रष्टचार की (काव्य संग्रह)



रचनाकार: संतोष सुपेकर

पृ.सं.–120 मू.–200/–रु. प्रकाशन वर्ष–2012

**विशेष:** 22 जुलाई,1963 को लालपुर में जन्मे श्री गाफिल हिन्दी से एमए होने के साथ ही पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं। कवि सम्मेलन के मंचों पर सक्रिय श्री गाफिल की रचनायें पत्र–पत्रिकाओं में तो छपती ही रहती हैं आपकी रचनाओं का प्रसारण रेडियो व टीवी के विभिन्न चैनलों पर भी होता रहा है। जैसा कि नाम से स्पष्ट है प्रस्तुत संग्रह की रचनायें भ्रष्टाचार के इर्द–गिर्द घूमती दिखलाई देती हैं। ये पाठकों का मनोरंजन तो करती ही हैं उन्हें अपने देश, देश के कर्णधारों और बेबस आम आदमी आदि के बारे में सोचने जानने का अवसर भी देती हैं। ❑

**रचनाकार का पता:** गाँव लाल पुर, पो.– इगलास, जिला– अलीगढ़–202124, उ.प्र. 9758494465 **ईमेल:** gafilswami@gmail.com

**प्रकाशक:** निरुपमा प्रकाशन, 506/13, शस्त्री नगर, मेरठ ☎ 0121–2709511

## कदम्ब की छाँव (काव्य संग्रह)



रचनाकार: कमल कपूर

पृ.सं.–230 मू.–250/–रु. प्रकाशन वर्ष–2012

**विशेष:** श्रीमती कमल देश की चर्चित लेखिका हैं और आपके नाम व कृत्य से हससासा के पाठक अच्छी तरह से भिज्ञ हैं। प्रस्तुत संग्रह में आपकी 19 कहानियां संग्रहीत हैं। अनेक कहानियां सामाजिक, पारिवारिक संदर्भ में लिखी गई हैं। कहानियों में व्याप्त घटनाओं और समस्याओं से पाठक अपने आपको अंदर तक जुड़ा पाता है। सरल, सहज भाषा, शैली में लिखी गई ये कहानियां पाठकों को अंदर तक छूती चली जाती हैं। ❑

**रचनाकार का पता:** 2144/9, फरीदाबाद, हरि.

**प्रकाशक:** राजदीप प्र., 895 ए–3/8, मारुति कम्पीटैंट स्टीट, महरौली, न. दि.